हारे हारे हारे क्यों राम के सेवक हारे

क्यों वीरान अयोध्या राम बिना यु है,
संकट मोचन के घर में संकट क्यों है,
आज पुकार करे सरयू की धारे रो रो कर यही कह रही,
हारे हारे हारे क्यों राम के सेवक हारे,

क्या राम की सेना रही ना हनुमान सा क्या कोई नहीं,
अंचल मेरा लहू से रंगा था रो ही रही मैं रो ही रही,
पीड़ा बता न सकू क्या करू,
हारे हारे हारे क्यों राम के सेवक हारे,

चूड़ी पहन कर बैठे हो घर में पुरुष तुमहरा कहा खो गया,
हिन्दू हो तुम हिन्दू है हम हिंदुत्व को जाने क्या हो गया,
संदीप आचार्य का दर्द है,
हारे हारे हारे क्यों राम के सेवक हारे,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11485/title/haare-haare-haare-kyu-ram-ke-sewak-haare

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |